'हिन्दी कहानी और बंग महिला'

(एम० फिल० उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबन्ध)

शोध-निर्देशिका :
प्रो० (श्रीमती) सावित्री चंद्र 'शोभा'

शोधकर्ता :
अखिलेश कुमार दुबे

भारतीय भाषा केन्द्र
भाषा संस्थान
जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110067
1992

अनुक्रम

पृष्ठ संख्या

प्राक्कथन i - 5

प्रथम अध्याय : 'युग-परिवेश' 6-34

(अ) राजनीतिक परिदृश्य

(1) राजनीतिक जागरण - प्रथम चरण

(2) राजनीतिक जागरण - द्वितीय चरण

(3) राजनीतिक जागरण - तृतीय चरण

(4) राजनीतिक जागरण - अंतिम चरण

(ब) सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक परिदृश्य -

राजा राममोहन राय, विद्यासागर व अन्य सुधारक

(1) 'प्रार्थना समाज' और महादेव गोविंद रानाडे

(2) 'आर्य समाज' और स्वामी दयानंद

(3) 'रामकृष्ण मिशन' और स्वामी विवेकानंद

(4) 'थियोसाफिकल समाज'

(5) मुस्लिम समाज में जागरण

अलगाववादी आंदोलन

सर सैयद अहमद खां और अलीगढ़ स्कूल आंदोलन

मुहम्मद इकबाल

(6) पारसी समाज में धार्मिक-सामाजिक सुधार की भूमिका

(7) सिक्ख समाज में धार्मिक सुधार

पृष्ठ संख्या

(स) साहित्यिक परिवेश : जागरण से संबद्ध

(1) `प्रेस` की भूमिका

(2) `साहित्य` की भूमिका

(3) `प्रेस और साहित्य` - हिंदी भाषा के विशेष संदर्भ में ।

द्वितीय अध्याय : `बंग महिला : जीवन : व्यक्तित्व और कृतित्व` - 35-58

तृतीय अध्याय : `बंग महिला और हिंदी कहानी की विकास-यात्रा` - 59-93

(1) हिंदी कहानी : प्रथम उत्थान
(सन् 1900 ई० से सन् 1915 ई० तक)

(2) हिंदी कहानी : द्वितीय उत्थान
(सन् 1915 ई० से सन् 1950 ई० तक)

(3) हिंदी कहानी : तृतीय उत्थान
(सन् 1950 ई० से सन् 1960 ई० तक)

(1) हिंदी कहानी : चतुर्थ उत्थान
(सन् 1960 ई० से बाद तक)

चतुर्थ अध्याय : `बंग महिला की कहानियों में `चेतना` की अभिव्यक्ति का स्वरूप` - 94-115

(अ) कथानक -

(1) `दुलाईवाली`

(2) `भाई-बहन`

(3) `हृदय-परीक्षा`

पृष्ठ संख्या

(1) 'मन की दृढ़ता'

(ब) चेतना की अभिव्यक्ति का स्वरूप -

(1) राजनीतिक चेतना

(2) आर्थिक चेतना

(3) सामाजिक चेतना

(4) धार्मिक चेतना

(5) सांस्कृतिक चेतना

पंचम अध्याय : 'बंग महिला की कहानियां : रूप-दृष्टि' - 116-132

(अ) भाषा

(1) भाषा और रचनाकार का संबंध

(2) भाषा और सामाजिक संरचना का संबंध

(3) भाषा और रचना का संबंध

(ब) शैली

उपसंहार 133-138

परिशिष्ट 139-141

(अ) आधार-ग्रंथ सूची

(ब) सहायक-ग्रंथ सूची

(स) पत्र-पत्रिकाओं की सूची